राष्ट्रीय युवा दिवस पर छोटी देशी मछलियों के संरक्षण पर राष्ट्रीय गोष्ठी एवं क्षमता विकास कार्यक्रम

सारगाछी, 12 जनवरी 2025

युगपुरुष स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम, सारगाछी में 11-14 जनवरी 2025 तक आयोजित "कृषि संवृद्धि सह राष्ट्रीय सेमिनार" में 12 जनवरी, 2025 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ ने "छोटी देशी मछलियों के संरक्षण" पर एक राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन तथा ICAR के NICRA, CRP-Vaccine एवं SCSP घटक के तहत "क्षमता विकास एवं मत्स्य इनपुट वितरण कार्यक्रम" का आयोजन, धान्यगंगा कृषि विज्ञान केंद्र, सारगाछी, बरहमपुर, पश्चिम बंगाल के सहयोग से आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. उत्तम कुमार सरकार, निदेशक, राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ ने जलकृषि क्षेत्र में हो रहे नवीन अनुसंधानों और तकनीकों पर प्रकाश डाला। डॉ. सरकार ने लाभान्वितों को संबोधित करते हुए उनको छोटी व देशीय मत्स्य प्रजातियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया तथा मत्स्य जैव विविधता को सुरक्षित करने में योगदान देने का आह्वाहन किया। डॉ. सरकार ने संस्थान की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए मत्स्य संरक्षण और नई ब्रीडिंग तकनीकों पर चर्चा की, जिससे किसानों को अपने व्यवसाय में बेहतर उत्पादन और प्रबंधन में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्वामी श्री विश्वमायानंद जी, अध्यक्ष, रामकृष्ण मिशन आश्रम, सरगाछी रहे। स्वामी जी ने समस्त मत्स्य कृषकों एवं लाभान्वित अनुसूचित जाति के मत्स्य कृषकों को संबोधित करते हुए संस्थान द्वारा प्रदान किये जाने वाले ज्ञान व अनुदान का सदुपयोग करते हुए समाज कल्याण पर ध्यान देने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में आए 400 से अधिक अनुसूचित जाति के मत्स्य कृषकों को मत्स्य स्वास्थ्य से संबंधित रिपोर्ट फिश डिजीज (RFD) एप्प तकनीक एवम मात्स्यिकी में रोगाणुरोधी प्रतिरोध की जानकारी दी गयी। इसके साथ-साथ 110 मत्स्यपालकों को मत्स्य व्यवसाय में सहायता के लिए मत्स्य बीज, मत्स्यआहार व संबंधित औसधियों जैसी सामग्रियों का वितरण किया गया। इस दौरान डॉ. प्रदीप डे, निदेशक ATARI, डॉ. बीएन पॉल, आईसीएआर-सीआईएफ़ए रहरा केंद्र के प्रभारी; डॉ. एके दास, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआईएफ़आरआई, बैरकपुर; डॉ सूजोय मण्डल, मत्स्य विभागाध्यक्ष, डीजीकेवीके; डॉ. एच मन्दाकिनी देवी, वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआईएफ़ई, कोलकाता केंद्र; डॉ. अनुतोष पारिया, वैज्ञानिक; डॉ. विकास साहू, तकनीकी अधिकारी राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ थे। यह कार्यक्रम न केवल किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, बल्कि मत्स्य पालन के सतत विकास और सरकार की "किसानों की आय दोगुनी" करने की पहल को भी बढ़ावा देता है।